Series : SMA/1

कोड नं.
Code No. **2/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है । भारत में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं । ऐसे में यह अधिक ज़रूरी हो गया है कि लोग एक दूसरे को जानें; उनकी ज़रूरतों को, उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें; उन्हें तरजीह दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें । भारत जैसे देश में यह और भी अधिक ज़रूरी है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है । स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे । उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मों-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए । वे विभिन्न धर्मों-संप्रदायों की अनेकरूपता को जायज और स्वाभाविक मानते थे । स्वामीजी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे । वे कहा करते थे – यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ख) टापू किसे कहते हैं ? 'टापू की तरह' जीने से लेखक का क्या अभिप्राय है ? 2

(ग) 'भारत जैसे देश में यह और भी अधिक ज़रूरी है ।' क्या ज़रूरी है और क्यों ? 2

(घ) स्वामी विवेकानंद को 'अपने समय से बहुत आगे' क्यों कहा गया है ? 2

(ङ) स्वामीजी के मत में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या होगी और क्यों ? 2

(च) भारत में साथ-साथ रह रहे किन्हीं चार धर्मों और मतों के नाम लिखिए । 1

(छ) गद्यांश से 'अनु–' और 'सम्–' उपसर्ग वाले दो शब्द चुनकर लिखिए । 1

(ज) मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए – स्थापित, नैतिक 1

(झ) यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है ।
उपर्युक्त वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए । 1

(ञ) समास नाम लिखिए – पूजा-पद्धति, मत-मतांतर 1

(ट) अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए – प्राणघातक, अनुष्ठान 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

'सर ! पहचाना मुझे ?'
बारिश में भीगता आया कोई
कपड़े कीचड़-सने और बालों में पानी ।
बैठा । छन-भर सुस्ताया । बोला, नभ की ओर देख –
'गंगा मैया पाहुन बनकर आई थीं,
झोंपड़ी में रहकर लौट गईं ।
नैहर आई बेटी की भाँति
चार दीवारों में कुदकती – फुदकती रहीं
खाली हाथ वापस कैसे जातीं !
घरवाली तो बच गई –
दीवारें ढहीं, चूल्हा बुझा' बरतन-भाँडे –
जो भी था सब चला गया ।
प्रसाद-रूप में बचा है नैनों में थोड़ा खारा पानी
पत्नी को साथ ले, सर, अब लड़ रहा हूँ
ढही दीवार खड़ी कर रहा हूँ
कादा-कीचड़ निकाल फेंक रहा हूँ ।'

मेरा हाथ जेब की ओर जाते देख

वह उठा, बोला – 'सर, पैसे नहीं चाहिए ।

जरा अकेलापन महसूस हुआ तो चला आया

घर-गृहस्थी चौपट हो गई पर

रीढ़ की हड्डी मज़बूत है सर !

पीठ पर हाथ थपकी देकर

आशीर्वाद दीजिए –

लड़ते रहो ।'

(क) बाढ़ की तुलना मायके आई हुई बेटी से क्यों की गई है ?

(ख) बाढ़ का क्या प्रभाव पड़ा ?

(ग) 'सर' का हाथ जेब की ओर क्यों गया होगा ?

(घ) आगन्तुक सर के घर क्यों आया था ?

(ङ) कैसे कह सकते हैं कि आगन्तुक स्वाभिमानी और संघर्षशील व्यक्ति है ?

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए : **5**

(क) भ्रष्टाचार का विरोध

(ख) 24 × 7 चैनलों का शोर

(ग) संपन्न भारत

(घ) मेरा प्रिय सिने-सितारा

4. सड़क मरम्मत कार्य में निर्धारित बजट और उसके उपयोग की जानकारी सूचना का अधिकार कानून के अंतर्गत प्राप्त करने के लिए दिल्ली नगर निगम के आयुक्त को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

देश में बढ़ रही महँगाई के दो कारणों और रोकने के दो उपायों का उल्लेख करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

5. 'भ्रष्टाचार के विरोध में उमड़ता जन सैलाब' **अथवा** 'पढ़ाई-लिखाई से वंचित बचपन' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । **5**

6. (क) 'किसानों की समस्याएँ' **अथवा** 'कन्या-भ्रूण-हत्या' विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

(ख) संक्षेप में उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

(i) समाचार किसे कहते हैं ?

(ii) संचार माध्यमों के दो प्रमुख प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए ।

(iii) समाचार लेखन की 'उल्टा पिरामिड' शैली क्या है ?

(iv) विज्ञापनों की दो उपयोगिताएँ लिखिए ।

(v) इंटरनेट की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया –
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया –
यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल ।

(क) कविता किसे संबोधित है ? उसे विप्लव का प्रतीक क्यों माना गया है ?

(ख) रणतरी किसे कहते हैं ? वहाँ रणतरी को आकांक्षाओं से भरी क्यों कहा है ?

(ग) क्रांति के सुप्त अंकुर आकाश की ओर क्यों ताक रहे हैं ?

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए :

तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया ।

अथवा

सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ ।

बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ ।।

मम हित लागि तजेहु पितु माता ।

सहेहु बिपिन हिम आतप बाता ।।

सो अनुराग कहाँ अब भाई ।

उठहु न सुनि मम बच बिकलाई ।।

जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू ।

पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू ।।

(क) राम लक्ष्मण की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख कर रहे हैं ?

(ख) 'सो अनुराग कहाँ अब भाई' कथन का कारण स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'यह मुझे पहले ज्ञात होता तो मैं पिता की आज्ञा नहीं मानता' – क्या ऐसा संभव था ? पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए ।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

'उठहु न सुनि मम बच बिकलाई ।'

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 3 = 6**

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था

ज़ोर ज़बरदस्ती से

बात की चूड़ी मर गई

और वह भाषा में बेकार घूमने लगी

हारकर मैंने उसे कील की तरह

उसी जगह ठोंक दिया

(क) उपमा अलंकार का उदाहरण छाँटकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश से दो मुहावरे चुनकर उनका लक्ष्यार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं ।

(क) रूपक अलंकार का उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) अमावास्या के लिए प्रयुक्त विशेषण पहचानिए और बताइए कि उनसे विशेष्य में क्या अर्थ जुड़ता है ?

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि 'फ़िराक की रुबाइयों में हिंदी का एक घरेलू रूप दिखता है ।'

(ख) 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर खेत और कागज़ के पन्ने की समानता के तीन बिंदुओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) सिद्ध कीजिए कि 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 4 = 8**

बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है, जो जानता है कि वह क्या चाहता है । और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं । न तो वे बाज़ार का लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं । वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं ।

(क) 'बाज़ार का बाज़ारूपन' से लेखक का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकता है ? कैसे ?

(ग) पर्चेजिंग पावर क्या है ? उससे बाज़ार का अहित कैसे होता है ?

(घ) क्या आप लेखक की राय का समर्थन करते हैं ? क्यों ? तर्क सम्मत उत्तर दीजिए ।

अथवा

हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं, पर त्याग का नाम निशान नहीं है । अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है । हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बात करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे रह जाते हैं । आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) लेखक को हमारे स्वभाव से शिकायत क्यों है ?

(ख) भ्रष्टाचार की चर्चा करते हुए लेखक क्या अपेक्षा करता है ? क्यों ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :

काले मेघा, दल के दल ..... पियासे रह जाते हैं ।

(घ) आपके विचार में यह स्थिति कब बदलेगी और कैसे बदलेगी ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए : $3 \times 4 = 12$

(क) पाठ के आधार पर 'भक्तिन' की तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'लुट्टन पहलवान की ढोलक गाँव के असहाय और मरणासन्न लोगों को मरने का हौसला देती थी ।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(ग) चार्ली चैप्लिन कौन था ? उनके बचपन और पारिवारिक परिवेश पर प्रकाश डालिए ।

(घ) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(ङ) जातिप्रथा को श्रमविभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के तर्कों का उल्लेख कीजिए ।

12. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 + 3 = 6$

(क) 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि सिंधु सभ्यता में भव्यता का आडंबर नहीं था ।

(ख) 'जूझ' कहानी के प्रमुख पात्र को पढ़ना जारी रखने के लिए कैसे जूझना पड़ा और किस उपाय से वह सफल हुआ ?

(ग) यशोधर पंत पर किशन दा के प्रभाव की समीक्षा कीजिए ।

13. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) 'ऐन फ्रेंक की डायरी' में नारी के अधिकारों पर व्यक्त विचारों पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'जो हुआ होगा' कथन के दो आशय 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'मोहनजो-दड़ो' क्यों प्रसिद्ध है ? दो कारण लिखिए ।

14. 'जूझ' कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए । **5**

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर पंत के स्वभाव की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।